राजनीतिक

- **एक राज्य में नौकरशाही 'काम करो, राज करो' के तरीके पर चल रही है?**

उत्तर भारत के एक राज्य में मुख्यमंत्री परिवर्तन की प्रबल अफवाहों के बाद नौकरशाही प्रतीक्षा और निगरानी की मुद्रा में है। काम करने के बजाय वे केवल संभावित नामों पर चर्चा कर रहे हैं।

- **क्या राम मंदिर भ्रष्टाचार विवाद भाजपा और एनडीए में रणनीतिक फेरबदल को जन्म देगा?**

राजनीतिक और नौकरशाही हलकों से मिल रहे संकेतों से पता चलता है कि राम मंदिर से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप भाजपा और एनडीए सरकार के भीतर व्यापक पुनर्गठन का उत्प्रेरक बन सकते हैं। हालांकि पार्टी नेतृत्व ने अब तक सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है, लेकिन आंतरिक आकलन में प्रतिष्ठा को होने वाले जोखिमों को स्वीकार किया गया है, खासकर उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण चुनावी मुकाबलों से पहले। इस विवाद से केंद्र में लंबे समय से चल रहे मंत्रिमंडल फेरबदल में तेजी आने की आशंका है, जिसमें राजनीतिक संकेत, शासन की विश्वसनीयता और क्षेत्रीय संतुलन पर अधिक जोर दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, चुनिंदा मंत्रालयों की कार्यकुशलता और चुनावी दृष्टिकोण, दोनों को ध्यान में रखते हुए, पहले ही समीक्षा शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही, भाजपा के भीतर संगठनात्मक पुनर्गठन की संभावना है, खासकर उन राज्यों में जहां पार्टी को सत्ता-विरोधी लहर या गुटबाजी का सामना करना पड़ रहा है। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में नेतृत्व में बदलाव और कार्यकर्ताओं को संगठित करने के प्रयास तेज हो सकते हैं। तत्काल नुकसान को नियंत्रित करने के अलावा, यह घटनाक्रम उम्मीदवार चयन रणनीतियों और चुनावी विमर्शों को प्रभावित कर सकता है, विशेष रूप से जवाबदेही और पारदर्शिता के मुद्दों पर। विपक्ष के लिए, यह हमलों को मजबूत करने का अवसर है, लेकिन भाजपा का ध्यान भविष्य में होने वाले किसी भी राजनीतिक दुष्परिणाम को सीमित करने के लिए पहले से ही आवश्यक सुधार करने पर केंद्रित प्रतीत होता है।

- **कांग्रेस में शामिल होंगे नवजोत सिंह सिद्धू?**

नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब की राजनीति में वापसी कर रहे हैं और संभावना है कि वे कांग्रेस में शामिल होंगे। एक बात निश्चित है, वे विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

- **क्या भाजपा एक बड़े बदलाव से पहले अपने मुख्यमंत्रियों की नीतियों में नरमी ला रही है?**

पार्टी और सरकार के सूत्रों के अनुसार, भाजपा के कई मुख्यमंत्रियों और प्रमुख राज्य मंत्रिमंडल मंत्रियों को अनौपचारिक रूप से आगामी हफ्तों में मीडिया से संपर्क सीमित करने की सलाह दी गई है। आंतरिक चैनलों के माध्यम से दी गई यह सलाह, संगठनात्मक परिवर्तनों के एक संभावित दौर और केंद्रीय स्तर पर संभावित फेरबदल से पहले उठाया गया एक सुनियोजित कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, जोर संदेश अनुशासन पर है और ऐसी नीतिगत या राजनीतिक बयानबाजी से बचने पर है जो आगामी निर्णयों को प्रभावित कर सकती है या उन्हें जटिल बना सकती है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पार्टी प्रमुख राज्यों में शासन संबंधी दृष्टिकोण और नेतृत्व की भूमिकाओं का पुनर्मूल्यांकन कर रही है। हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र में कोई आधिकारिक निर्देश नहीं है, लेकिन कई राज्य स्तरीय नेताओं ने पहले ही प्रेस ब्रीफिंग और टेलीविजन पर उपस्थिति कम कर दी है, जो व्यापक रणनीति के साथ तालमेल का संकेत है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह अस्थायी प्रतिबंध निर्णयों को औपचारिक रूप देने के बाद एक सुसंगत संचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से है, खासकर यदि नेतृत्व परिवर्तन या पोर्टफोलियो समायोजन की घोषणा की जाती है। यह घटनाक्रम आंतरिक गतिविधियों में तेजी का संकेत देता है, हालांकि भाजपा किसी भी फेरबदल के समय और दायरे पर सार्वजनिक रूप से चुप्पी साधे हुए है।

प्रशासनिक

- **पहले नौकरशाही में फेरबदल?**

केंद्र में मंत्रिमंडल फेरबदल से पहले इस सप्ताह सचिव स्तर पर फेरबदल होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री के विदेश दौरे से लौटने के बाद मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल की खबरों से मीडिया जगत में हलचल मची हुई है।

- **8वां वेतन आयोगः क्या सरकार महंगाई भत्ता (डीए) के फार्मूले में बदलाव करेगी?**

ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज़ फेडरेशन की हालिया मांग ने इस बात पर ध्यान केंद्रित कर दिया है कि क्या 8वां वेतन आयोग सरकारी मुआवजे के सबसे संवेदनशील घटकों में से एक, महंगाई भत्ता और महंगाई राहत पर पुनर्विचार कर सकता है। संशोधित गणना सूत्र की फेडरेशन की मांग कर्मचारी समूहों के बीच बढ़ते इस विचार को दर्शाती है कि मौजूदा व्यवस्था, जो पुराने उपभोग पैटर्न पर आधारित है, वर्तमान मुद्रास्फीति की वास्तविकताओं के अनुरूप नहीं है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि हालांकि वेतन आयोग की बैठकों के दौरान इस तरह की मांगें नियमित रूप से उठाई जाती हैं, लेकिन महंगाई भत्ता (डीए) के फार्मूले में किसी भी तरह के संरचनात्मक बदलाव के गंभीर वित्तीय परिणाम होंगे। डीए में संशोधन का सीधा असर केंद्र सरकार के वेतन बिल और पेंशन व्यय पर पड़ता है, जिससे नीति निर्माता सतर्क हो जाते हैं, खासकर मौजूदा वित्तीय सुदृढ़ीकरण के दबावों के बीच। हालांकि, पुनर्मूल्यांकन का पूर्व उदाहरण मौजूद है। पिछली आयोगों ने बदलती आर्थिक परिस्थितियों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए आधार वर्ष और भार को समायोजित किया है। महामारी के बाद मुद्रास्फीति की अस्थिरता और उपभोग की बदलती श्रेणियों को देखते हुए, आयोग के जनादेश के भीतर एक तकनीकी समीक्षा को महत्व मिल सकता है। मुख्य प्रश्न यह नहीं है कि इस मुद्दे की जांच की जाएगी या नहीं, बल्कि यह है कि सरकार कर्मचारियों की अपेक्षाओं और वित्तीय विवेक के बीच संतुलन बनाने के लिए कितनी हद तक जाने को तैयार है।

- **क्या तपन डेका राज्यपाल बनेंगे?**

आईबी के निवर्तमान प्रमुख तपन डेका को किसी महत्वपूर्ण राज्य का राज्यपाल नियुक्त किए जाने की संभावना है। राज्य का नाम अनुमान से लगाया जा सकता है।

- **राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ कौन होंगे?**

राम मंदिर ट्रस्ट में नए सीईओ की नियुक्ति की खबरें जोर पकड़ रही हैं। इस सिलसिले में आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी, योगेश्वर राम मिश्रा और अयोध्या के पूर्व डीएम डॉ. अनिल पाठक के नाम चर्चा में हैं। वहीं दूसरी ओर, धर्मगुरुओं ने किसी भी सीईओ की नियुक्ति का विरोध किया है।

- **लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन सेना के उप प्रमुख हैं**

लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन अब 1 जुलाई को सेना मुख्यालय में सेना के उप प्रमुख (वीसीओएएस) के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

- **लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा दक्षिण पश्चिमी कमान के जीओसी-आईएन-सी**

लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा, जयपुर स्थित सेना की प्रमुख परिचालन कमानों में से एक, दक्षिण पश्चिमी कमान के नए जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) हैं।

हर जरूरतमंद के इलाज की व्यवस्था करा रही सरकार : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में जनपदों से आए फरियादियों से मिले

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों की समस्याओं को ध्यान से सुना। उनका प्रार्थना पत्र लिया और संबंधित अधिकारियों को देकर निर्देशित किया कि सभी लोगों की समस्याओं का समाधान तय समयसीमा के भीतर हो। इसके उपरांत पीड़ित पक्ष से बात कर उनकी संतुष्टि के बारे में जानकारी ली जाए।

मुख्यमंत्री ने पीड़ितों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप बेफिक्र होकर घर जाइए, हम हर मामले का उचित निस्तारण कराएंगे। बरेली से एक महिला ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने कैंसर के इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई और आर्थिक सहायता की मांग की। मुख्यमंत्री ने उनसे हॉस्पिटल का एस्टिमेट मांगा, जिसे वह तत्काल उपलब्ध न करा सकीं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप हॉस्पिटल से एस्टिमेट मंगवा लीजिए। आप स्वास्थ्य पर ध्यान दें, इलाज की चिंता सरकार करेगी। मुख्यमंत्री ने मरीज को एडमिट कराने और उनके समुचित इलाज के लिए भी निर्देशित किया। 'जनता दर्शन' में राजस्व संबंधी मामले भी आए।

इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अतिक्रमण कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। इस पर निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने राजस्व मुकदमों के समयबद्ध निस्तारण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस पर जल्द निर्णय होने से वादकारियों को समय से राहत मिलती है। राजस्व से जुड़े अधिकारी समय से न्यायालय में बैठें। इस संबंध में निर्णय भी जल्द दें, क्योंकि ऐसा न होने से गरीब वादकारी अधिक प्रभावित होते हैं। वादकारियों को न्याय दिलाना सरकार की मंशा है। इसके अनुरूप राजस्व से जुड़े अधिकारी जरूरतमंदों को न्याय दिलाएं।

डीसीएम की चपेट में आकर पिता की मौत, पुत्र घायल

वाराणसी । उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद में शिवपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार सुबह पिता-पुत्र को तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और क्षेत्रीय लोगों ने बनारस-लखनऊ हाईवे जाम कर मुआवजे की मांग की।

एसीपी अपूर्व पांडेय ने बताया कि आज सुबह शुद्धिपुर बाईपास स्थित हनुमान मंदिर के पास एक आम लदी डीसीएम ने मिट्टी के कुल्हड़ बेचने जा रहे हटिया (बसकड़ा), शिवपुर निवासी छेदी लाल प्रजापति (65) और उनके बेटे काशी प्रजापति (35) को टक्कर मार दी। इस हादसे में डीसीएम के पहिये के नीचे आने से पिता छेदी लाल प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बेटा काशी गंभीर रुप से घायल हो गया। वहीं हादसे के बाद डीसीएम अनियंत्रित होकर आगे जाकर पलट गया। इस घटना की पूरी फुटेज पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। एसीपी ने बताया कि घटना का कारण चौराहे के समीप एक मकान निर्माण के लिए मुख्य सड़क पर गिराई गई मिट्टी है। बताया जा रहा है कि डीसीएम मिट्टी पर चढ़ने के बाद चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे यह दुर्घटना हुई।

मुख्यमंत्री ने पीलीभीत जिले में 569 करोड़ की 66 परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया,पीलीभीत : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस के पापों के कारण पाकिस्तान और बांग्लादेश बना। बांग्लादेश पाकिस्तान बनना आवश्यक नहीं था। पाकिस्तान का निर्माण सत्ता लोलुपता का परिणाम था। उन्होंने कहा कि सपा की साइकिल चलती रही तो दंगे होते रहेंगे।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के पतरासा कुंवरपुर में 569 करोड़ से अधिक लागत की 66 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद, उप्र के कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख समेत अन्य लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस के पाप के कारण पाकिस्तान और बांग्लादेश बना। बांग्लादेश और पाकिस्तान बनना आवश्यक नहीं था। पाकिस्तान का निर्माण सत्ता लोलुपता का परिणाम था। अगर उस समय का कांग्रेस नेतृत्व अडिग हो गया होता तो जिन्ना अपनी मौत मर गया होता और भारत का दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन नहीं होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाखों हिंदुओं का कत्लेआम हुआ। अपनी पैतृक भूमि को छोड़ना पड़ा। स्वतंत्र भारत में उनके मन में अभिलाषा थी कि मुझे जिस आधार पर विभाजन किया गया था, उसके आधार पर भारत में शरण मिलेगी, सम्मानजनक के साथ मैं जीवन यापन कर पाऊंगा। कांग्रेस ने उनकी कभी सुध नहीं ली। योगी ने कहा कि कांग्रेस के हमराज़ समाजवादी पार्टी को कहां फुर्सत थी, क्योंकि जब इन्हें तुष्टिकरण से फुर्सत हो तब ये पिछड़ों, दलितों, वंचितों के बारे में सोचते।

इन्हें तो सिर्फ मुसलमानों की चिंता थी। सिखों, जैनियों, बौद्ध की चिंता नहीं थी। उन्होंने कहा कि सपा की साइकिल चलती रही तो दंगे होते रहेंगे। योगी ने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार आई। सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट आया। लंबे समय बाद किसी सरकार ने सोचा कि विस्थापित हिन्दुओं, बौद्ध, सिखों और जैन समाज को भी भारत की नागरिकता मिलनी चाहिए, जो पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से विस्थापित हैं।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ऑटो में मारी टक्कर, एक की मौत, महिला-बेटी समेत चार गंभीर घायल

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के फफूंद थाना क्षेत्र में रविवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि महिला और उसकी बेटी समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा फफूंद-अछल्दा मार्ग पर हसनपुर गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो पलट गया और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में 50 वर्षीय छोटे लाल पुत्र अर्जुन सिंह निवासी काजीपुर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं शारदा देवी, उनकी बेटी ओजल, भाई अनिल कुमार तथा ऑटो चालक कल्लू गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दिबियापुर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बताया गया कि काजीपुर गांव निवासी ब्रजेश कुमार दिल्ली में निजी नौकरी करते हैं और अपनी पत्नी शारदा देवी व बेटी ओजल के साथ वहीं रहते हैं। करीब पांच दिन पहले शारदा देवी और ओजल मायके आई थीं। रविवार रात दोनों दिल्ली लौटने के लिए फफूंद बस स्टैंड जा रही थीं। उनके साथ शारदा देवी के भाई अनिल कुमार और चचेरे भाई छोटे लाल भी मौजूद थे। सभी गांव निवासी कल्लू के ऑटो से बस पकड़ने के लिए निकले थे।

रात करीब 10 बजे जब ऑटो हसनपुर गांव के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग तत्काल मदद के लिए दौड़े और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी भीषण आग गृहस्थी का सामान जलकर खाक

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, उरई : रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम पचोखरा में रविवार दोपहर बिजली के शॉर्ट सर्किट से एक मकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे घर में रखा लाखों रुपये का गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों और दमकल विभाग की टीम की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पचोखरा निवासी मकबूल खान पुत्र जमाल खान के घर में रविवार दोपहर अचानक बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हो गया। चिंगारी निकलते ही घर में आग भड़क उठी और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मकान से धुआं और आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घर की महिलाओं की चीख-पुकार सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने बाल्टियों और अन्य साधनों से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इसी बीच घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। यदि समय रहते आग नहीं बुझाई जाती तो आसपास के मकानों तक भी आग फैल सकती थी। गृहस्वामी मकबूल खान ने बताया कि आग की चपेट में आने से घर में रखा फ्रिज, कूलर, कपड़े, अनाज, बिस्तर, फर्नीचर तथा अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में लगभग पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने के बाद परिवार के सामने रोजमर्रा की जरूरतों का भी संकट खड़ा हो गया है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक शिव प्रकाश ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को तत्काल भेजा गया था। दमकल कर्मियों और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है तथा प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट सामने आया है।

योगी सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश में तेजी से हो रहा आर्द्रभूमियों का संरक्षण

26 जिलों की 101 आर्द्रभूमियां हो चुकी हैं अधिसूचित, 36 जिलों से नए प्रस्ताव मिले

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की आर्द्रभूमियों (वेटलैंड) के संरक्षण और विकास पर लगातार काम कर रही है। वेटलैंड (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017 के तहत प्रदेशभर में आर्द्रभूमियों की पहचान, सीमांकन और अधिसूचना की प्रक्रिया तेज गति से चल रही है।

मुख्य सचिव के समक्ष हुए प्रस्तुतीकरण के अनुसार, प्रदेश के 75 जिलों में से 26 जिलों की 101 आर्द्रभूमियों को अब तक अधिसूचित किया जा चुका है। इनमें कानपुर नगर सहित गोरखपुर, बाराबंकी, महाराजगंज, प्रयागराज, आगरा, सहारनपुर, कुशीनगर, उन्नाव और अन्य जिले शामिल हैं। इन आर्द्रभूमियों का कुल क्षेत्रफल लगभग 2750 हेक्टेयर है। वहीं 36 जिलों से 44 नई आर्द्रभूमियों को अधिसूचित करने के प्रस्ताव भी सरकार को प्राप्त हुए हैं।

इसलिए जरूरी हैं आर्द्रभूमियां: आर्द्रभूमियां केवल तालाब या झील नहीं होतीं, बल्कि ये प्रकृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने, भूजल स्तर बनाए रखने, सिंचाई में मदद करने, बाढ़ और सूखे के प्रभाव को कम करने, मछली पालन और अन्य आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं के सुरक्षित आवास के रूप में भी काम करती हैं। इसके अलावा ये पर्यावरण को संतुलित रखने और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में भी अहम भूमिका निभाती हैं।

सीमांकन और संरक्षण पर विशेष जोर: योगी सरकार आर्द्रभूमियों की सीमाओं का वैज्ञानिक तरीके से निर्धारण भी करा रही है ताकि उन पर अतिक्रमण न हो और उनका संरक्षण बेहतर ढंग से किया जा सके।

प्रदेश के सभी 75 जिलों में 14,562 स्थानों पर सीमा निर्धारण का कार्य पूरा किया जा चुका है।

अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की तैयारी: सरकार राज्य की प्रमुख आर्द्रभूमियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए भी प्रयास कर रही है। इसके लिए रामसर साइट के मानकों के अनुरूप आवश्यक दस्तावेज, मानचित्र, फोटोग्राफ और अन्य तकनीकी जानकारी तैयार की जा रही है, ताकि उत्तर प्रदेश की अधिक से अधिक आर्द्रभूमियां वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सके।

मोबाइल हैक कर साइबर ठगों ने युवक के खाते से उड़ाए 1.93 लाख रुपये

देवरिया: उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में साइबर अपराधियों ने एक युवक का मोबाइल फोन हैक कर उसके बैंक खाते से 1.93 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर खुखुंदू थाना पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ सोमवार को मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खुखुंदू थाना क्षेत्र के असना गांव निवासी हिमांशु चतुर्वेदी ने पुलिस में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह वर्तमान में प्रयागराज की एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। उसका बैंक ऑफ बड़ौदा की सिविल लाइन शाखा, देवरिया में खाता है। 9 जून को उसका मोबाइल फोन अचानक हैक हो गया। फोन चालू करने पर स्क्रीन खाली दिखाई दी और मोबाइल स्वत: अपडेट होने लगा। अपडेट पूरा होने के बाद फोन का पूरा डेटा गायब हो गया। इसी दौरान साइबर ठगों ने उनके बैंक खाते से तीन अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए कुल 1 लाख 93 हजार रुपये निकाल लिए।

डिजिटल लर्निंग अभियान से बूथ स्तर तक पहुंचेगी वैचारिक शिक्षा

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, अयोध्या : भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को तकनीकी रूप से और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम को गति दे दी है। इस अभियान के तहत बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सरल एप के माध्यम से पार्टी की विचारधारा, इतिहास, संगठनात्मक संरचना, अधिष्ठान और कार्यप्रणाली का ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन क्विज में शामिल होना होगा।

क्विज में सफल होने पर डिजिटल प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इससे पूर्व भारतीय जनता पार्टी द्वारा दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत 10 एवं 11 मई को जिला और मंडल स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इन प्रशिक्षण सत्रों में पदाधिकारियों ने भाग लेने के साथ ऑनलाइन क्विज भी पूरा किया था और उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए थे। इसी क्रम में सोमवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, महानगर महामंत्री शैलेन्द्र कोरी, शशि प्रताप सिंह, दिवस अधिकारी जिला मंत्री स्वाती सिंह तथा मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र ने दूरभाष के माध्यम से पदाधिकारियों से संपर्क कर डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम शीघ्र पूर्ण करने का आग्रह किया। इस दौरान एप के संचालन और प्रशिक्षण से जुड़ी तकनीकी समस्याओं का भी समाधान कराया गया।

संगठन की ओर से सभी पदाधिकारियों के लिए डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा एक विचार आधारित संगठन है।

आपका राशिफल 30 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हु हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक 2 5 7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक 5 7 9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जरा सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। व्यर्थ की भाग दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7